खाटू के खेत में | By Puja Nathani

जब तूने दरबार लगाया जाकर बालू रेत में
हीरा मोती बरसन लाग्या, अब खाटू के खेत में

गली कुचली टेढ़ी मेडी चोखी लागण लागी
शेहरा माँ बैंठया हाँ फिर भी याद सतावन लागी
जद से तेरी झंडो गड ग्यो बी धरती के पेट में
हीरा मोती बरसन लाग्या, अब खाटू के खेत में

जो धरती पर पाँव ना धरता बच बच कर था चलता
बी धरती का तिलक लगावण आवे पसरता पसरता
जूता चप्पल खोल के नाचे फागुन कार्तिक जेठ में
हीरा मोती बरसन लाग्या, अब खाटू के खेत में

श्याम धणी खाटू वाले की महिमा जग में भारी
बनवारी अब ते भी कर ले खाटू जान की त्यारी
भूल गया सब दुनियादारी बाबा तेरा हेत में
हीरा मोती बरसन लाग्या, अब खाटू के खेत में

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%96%e0%a5%87%e0%a4%a4-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-puja-nathani/